

शिवासायम्यतित्तः मुस्ति ।

्ञा । कुष्यरः भूतः तु। सुङ्गिः हः रङ्गे देश्वः सः वृङ्गा वितः भूतः तु। येग्यायरः ववतः यः देशः वयः। भूषा । कुष्यरः भूतः तु। सुङ्गिः हः रङ्गे देश्वः स्वयः विद्याः सुङ्गा वितः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्य स्वर्था । स्या द्वा द्वा स्वर्ध स्वर्य यस्त्र छेट्र अर्देशयो दिः भेरवर द्वानिहासे द्वान्या हराया नवु मुझा सावसूत्र या दि सेतान नव द्वार विर्डिः भेरि। रिग्पं वर्षायर दक्षे पर्प्यक्षया विर्देर्य अपने या अपने या अपने या अपने या अपने या अपने या अपने य याणी विंद्राया नद्रा केत्राया वद्या विंद्र प्रदेश विंद्र व क्व अ र्हू मा मुद्द मेद्र पदा विद्द व हुव में कें में व विव विव विव विव व विव व विव व विव व व व व व व व व विषय सिव गरिया में अपदिया हेव या अया विष्टा प्रवासिय स्वास्त्र स्वासिय स्वासिय स्वासिय सिव स्वासिय सिव स्वासिय वुश्रा । स्थापन्ना या विता प्रवा निर्मा सेना ग्रामी मिलना शी विता प्रवासन स्थापन । वितासन स्थापन स्थापन स्थापन यं भीशा श्रिक्त तु वस्त्र उत् स्रिक्त यक दर्शी । स्रिक्त या विश्व क्या ग्रीका वश्व क्या विश्व के स्वा भी विश्व या.ज.क्ष्यांचा विस्तयाचा क्रीजा की. वे. चर्चा च्राह्म विश्वा स्वां त्या च्राह्म विश्वा स्वां त्या च्राह्म विश्व यावयः वयाः श्रीः यमः प्रश्चिम। विस्त सहस्यः यक्ष्मः यय्यायः सप्तः स्रा। यिष्ठ्याः संः त्रावयः त्रावयः याव्यः व स्राम्यः स्रायः विष्यः य्यायः स्रायः स्रायः



मुला रि: द्वाबा मुला दें। बेटा वो पटा विवेद र लेंबा श्रुराया वेवाबा से पवीब हैं। इन्यबाला सावबाव केवा त्रायदा विवर्त्यम्यायद्यायादग्वा यादग्वेदा अविद्या हेटा अध्यक्षेत्र यह विवर्ष विवर्ष यर द्युरी । देहेग हेव दरे र्द संदेश यी। यदे य प्रमुव य वेश र्य भेव। किया य त्री प्रदेश वेश रयः ग्रेश्वा विवायन् रेट्ट्रिस् म्या स्था विश्वा वि बुका गुर मक्या द्विकाया यहीत विकासमकायां धिवृ । क्रियकार्ते संप्रदेश में प्राप्ति संग्रीत म्राज्या स्वर्धात स्वर क्रियमा स्वापन्। प्रि. प्राप्ति प्रमाणका प्रमाणका स्वापना । असमा स्वापनि प्रमाणका स्वापनि । हिंदी । हिंदी । हिंदी । स्वापना स्वापना । स्वापना स्वापना । स्वा वसार्शितः ता सिवे सूर्या । शावसा ता क्षेत्रसा श्रीसार्शित । ता स्त्री । विसाश विसाय प्राप्त सार्य स्त्री । वि'यर् मेव'गर्वेव'र्धेर्'यंया म्चिव'र्धे'अविश्वायर विवे ह्व' भेवी म्चि'अर्के सु वेश्वे भेर्थ में से रेसका नेटा मुला रिते पर सहैद के र कुँका सेवा किर्दर लिंव शुर पका से देसका है। । सामका या लेगा का पनर कुँका अद्भन्ना विग्नासायन्त्रवेशायान्ता वर्षा ग्रामा अवसायात्रु अस्त्रित्या स्वाति विभावीता वर्षा स्वाति स्वाति स्वा द्वाबाग्री क्रि.च.जबाग्रुटात्रा क्रे.जवा जिवाबाच राचन्द्राच रेवाचे केदी वित्र राज्य स्वावबाच यह वाच क्रें रवः हु छे द य द द देवें।

यारा । आ.क्षे. ग्रीच. ट्रियर यर सम्हरा । ट्रिशा ता मिर्ट्य स्वयाच्याच तारा । त्यिम्र प्रट्या त्वयाच्या राट्य व त्य प्राप्त न्या । श्रीच्र प्राप्त मिर्ट्य ग्रीचर । श्रिच्र प्राप्त । विश्व प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त । विश्व प्राप्त प



ब्रुटः ; ;यानदः यः ब्रेवः क्रेवः दविगवाः यः धेवा । वाः धेः त्येः हेग्। छन् यमः दखेया। गर्वेवः क्रें श्रवः ग्रगवा न्यायः प्रति हु। । यहेया हेवः यालवः तुः प्रकेंत् वयवः नययः । दिः यानेवा योनः परि वे राज्या होवा । यायवा स्थान निया के स्थान के स्था के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान स्थान के स विव वृत्रा शुरु भटा से येव या । प्रमव परि प्रकृत्रा पा पटा है येव। । यव पा सुदा हरेदा से पहेंदा या। यन्ता हिन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षे र्गाया हि. यश्रेमूश श्रेया या श्रुप्तिमा येवी किवा से में लेगा सुरा सुरा सुरा मही या महिराया यश्चेरा थे। गुर्डर पर्दे। दिन श्रुग्राच चर में वेर र्रे। प्रमाय श्रेंग या प्रमाय न यहा प्रमाय विवास में गाया देन। । बार्ये ब्रेसंवे पश्चिम्यापड्टा ग्रुटा में दे भी विदेश के अबारी विश्व में ब्रेस्य सर्केन हम्बार्य देसवा य इसमा वि. लट जव रे में जावि । वे बिट रेममा पर में र प्रीव लट्टा । रे रेममा में या के र है में क्किंदा । प्रदेश हिंद के या क्किंदि क्रा की किंद के किंदी प्रश्नित की प्रदेश के कार्य की किंदि के किंद के किंद की किंदि की किंद की किं त्या तर्त्वर तर्त्वर स्था । हे हिंद हिर हे र ते व श्री तर्वेर त्या है हे स्था है र त्या है स्था है स् यन्तर्यर्वरम्पर्धम् इस्म हिर्द्वर्षेत्रण्ये प्राप्तरायाः स्वाप्त । क्षित्रम्पर्धरम् स्वाप्त । स्



भ्रै. त्. त्य. त. ५ वृत्र. वृत्र. वृत्र। अया प्यः र्भेृतः पः त्यः प्यः एक्या । एत्यः स्ट्रं हे. क्षेत्रः क्र्या व्ययः या तर्वे दायदा विद्या । बेरायबा ब्राइया देया देया देया विद्याया कराय कराय विद्या । ब्राइया विद्याय विद त्यतः ब्रीमान्तः । विश्व त्याद्यात् विश्व त्यात् । विश्व वि म्यान्य स्थान्य । श्रिं त्यान्य त्यान्य त्यान्य त्यान्य स्थान्य । श्रिं यो प्राप्त प्राप्त स्थान्य । श्रिं यो प्राप्त स्थान्य । श्रिं यो प्राप्त स्थान्य स्थान्य । श्रिं यो प्राप्त स्थान्य स्थान्य । श्रिं यो प्राप्त स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स् चलर्यार ने बाव परार्व अहमा स्थेर परि क्रिंस्व प्रिया हे बाकु प्रेया र बार श्रु है। सिंहर क्रिं वें र ग्रे ने ने र नर् श्रा विर रूर के वें व ने ना शा है। विं रूर रेग य अगु ना श्रा देग के नर्वा स्वार से पिकालोव उव। किवादी प्रवाद्य प्रदेश विकादी र विकादी महित्य प्रवादी के विकादी बाग्रह्मा विर्मा विर्ह्ण केयबायां वित्र यहित उत्ता वित्र या प्रवास ग्रह्म स्थार श्री विर्ह्ण ह्या है। सर्वेट प्रत्र विभावायि विवास र मार्ड रहेवा विवास र मार्थ क्षा प्रदेश क्षा प्रकेश हेता विवास के स्वास के राज्य क यदे यदे 'से क्रिंटा | प्रयाप स्थित विट क्षाय की प्रविद्याय के के से के कि या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या द्यं विद् दु गर्भेद्र। श्रिय मेन स्थम ग्रैस से पर्वेद नेमा । सहग सा सेट उस पर्वेद गद विदा । दिस न



यश ग्रीश अवर प्रश्न वृ । आवश य त्रुव रेंदि वृद् र् प्रश्नुअश । हुट मेश प्रदश प्रदे अ भी ग्री रेंदि मेश त्व या कु क्ष्मका चलेवी दिवे या उद्देव शी चन्नदार्थे देक्के में विमान हेना देर्हें से में में में में में में श्चित् स्ति स्ति स्ति हिंग । श्वा ते स्ति । श्वा ते स्ति स्ति स्ति । श्वा ते स्ति । श्व स्ति । श्वा ते स्ति । श्व स्ति । श् दासेन्। विद्यार्थन्यस्तिक्ष्यक्ष्यांन्दा विष्युवार्द्रम्थान्यः स्वर्धान्यस्य विद्यान्ति । स्वर्धान्यस्य विद्या याण्या । अर्केन् यम् द्युम् यदे देश्या येत्। वि या विवृत्ति दूर् महाया या विवृत्ति विदेश महिन ह्या स्था थे। दर्स्य संभा वित्य प्रत्य श्रुं न मर्शन इस्मा त्या विदेश श्री प्रस्य प्रत्य क्षेत्र म्या विदेश स्था वित्य प्रत्य या यस्त्र । श्चिया गर्गा गर्म यदे अ र्सि गूमा भी । श्चित से गम्य पटा रें तू से रें दें ते। वित्र श्चित । वित्र मेशने प्रबुद प्राप्ती रिश्व श्रिया श्राया श्रुद लेश मामाशा । प्रबुद द्वा श्रेषे श्रेदेव प्रश्ना पहेर् हि अर्धर गुन्रमाया अर्ध्य भी वहें नु । अर्देन शुभा अर्घेट पा श्चर प्येट पदी । विभाविट हेश वयट सुन पेंदि हुग्या। ट्रेंन क्रूर मि लेबा न्या में बर्जा । मिर वेबा अर्घेर वे उ. इ. व्हेवी विवय बर वर्षेर वे वजा था मैरी न्त्र हिंभ श्वेत व तर् सुराश ववत अर सुर व व तत्र कर पश्चित श्वेत स्ट हर सुर सुर व वेत प्रश्ने । विक्र कर सुर ह विताहे समाय विवेदाय विवेदा विवेदाय विवेदाय विवेदाय हिंदा हिंदा विवेदा हैं विव वह्मम्। भिक्ष्यः कर्माः लु. जमाः करः उद्वर। निस्टः क्ष्ममः वर्मे व सहमाः भूने त्या विभाने ने स्थाने व स्त्रेन स्त्रेन प्रकृत्य क्षित्र प्रकृत स्वर्ग स्वर्य स्व



न्यवायार्येन्द्रार्ह्येन् केवायमा विष्युर्वे कुन्यका नेया क्षेत्रा वर्षेत्र मर्वेव मन्त्रा क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र क् सं अक्ष्यां ग्रीट विद्यां से त्यां त्या त्या क्ष्यां स्टा में क्ष्यां स्टा में क्ष्यां त्या क्ष्यां में त्या विद्यां क्ष्यां स्टा में क्ष्यां स्टा में क्ष्यां क्ष्यां में त्या क्ष्यां क हैं अर्केन मूँद नविश्व दुय पूर अर्वेद । श्लिश अर्केन रद में श्लित या है। श्लि दें दव या नवित् श्लित केया मालव होगा । एकुँ र पारे दुन्न व हाना लव या सून्य पहें हो । दिन सून्य र मालव होगा। पेन केन सून पान र पान र मालव होगा। पेन केन सून पान र पान र मालव होगा। पेन केन सून पान र पान वैश्व वर्ष वर्ष विश्व वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष स्टर्शिया । सुवर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । भ्रिश शकेषा वर्ष उर् बुंव व यही । अहें उव सुगाय व पहें पर एहें वा । आयय य अहें या एहें गया पर हु। । के ये गर्दे र बुंद मुँग्रां शु त्युर्गा निसंत ले गुर्वे न ये नु वर्ष निसंत ये निसंत्य निसंस्थित से निसंस्थित से निसंस्थित से निसं ब्रैंव से खर र मुब्दि । विर्ने प्रविद्या विर्ने निया विष्णा विष्णा हिं से बिरा के के से बिरा विना विस् के वे गुव व सह्स्रा विव त्या सम्बादा हे से र वृष्टि स्वेदा विव र विव विव के या विव स्व स्व स्व स्व विव विव स्व स्व विव व याक्ष्म विविद्याया स्टामेश निर्देन नेशाची विविद्याया निर्देश सामिश विद्या विविद्या व भूति स्तर्भा प्रदेश प्रदेश प्रदेश मुन्न । श्रि में प्रदेश में स्तर्भ प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्तर्भ स्वा कि श्री में प्रदेश ब्रिन्दिः सं स्पृन् शुन्या । दे ब्रिन्सेन स्पृन् प्रमुन् श्री सक्षेत्र । दे स्पृन् स्पृन् स्पृन् स्पृन् स्पृन् गित्रा दव तथेय। दियायाया वर्डेया येग्राच सम्हेत्। दिय्य या देश गुरा येग् पर वेद । मुला येदे



ब्रुबायाचक्रुबागुदावर्ड्डे। विक्रीयद्यायकेंद्रगुदायांबेद्रायांबेद्रायांबेद्रगुरायांबेद्रगुरायांबेद्रायांबे त्यात्रात्र महित्यात्र विकास स्थान विकास विग सुर शुर ग्रीट द्वारा पविव र प्यार है र युवेट । । र अव पं यव उग् सुर शुर व। । अर् अ पविव र र सर्वयाचर वशुरा विश्वास्त्र न्यू या सेवा चुड़िर्या प्रया वि सर् न्या चि निर्दू र सून्। दिन हुर न्यू यायम् नुमायम् । नुमायम् मुम् से एकन्यार्थम् । स्मायम् निमानम् याम् निमानम् याम् निमानम् याम् स्मायम् निमानम् याम् न्यतः ह्याबाधिव। बिन्योबाह्य अर्क्केया योबेन यदि के। न्याया वह ने या या या बुन्या। क्रेंबाया गुवाह शे न्धुंन पर्वा निर्वा या अकेंद्र या सुवा हर्ग वा धोवा । अरा केंद्रेर त्या दहेंद्र वा पा धोवा । श्रुंद्र स्वादा पर वर्षे वस है। दिन या रूट हेन हिंदी यर वहूँ सभा दिसाया मेटा वा यहेना या श्रुटा श्रिन सार हैना से बर् ब । विदेश रें रें रें में रें रें में पूर्ण यूर्वेर शुरा तुर्विय इसे अपनिष्य प्रकृत हुए मुक्त हो में प्रविय य केर् यर श्रू । दिया य दर्शेश केर गुर्श र शे र गुर्रे । गुर्शर दर्श श्रू श्री या यर वर्ष ग्रीट श्रूरे । दिस्त या वर्षे राव द्वीत्रा मुं है। दियाया वर्षे राव द्वीत्रा वर्षे मुं दियाया वर्षे स्वा वर्षे भे हिंग केंवा च प्राप्त हैं । प्रदाय कर वहुन प्रभुव के दर्ग भार मुक्त प्रवाद प्राप्त प्राप्त विकास या कर् या मार्डिन । दिन या मुदा यदे सुन दी तमाया । यह हो । तमाया हो तके वा सिंह । किया मुखा नमा

किंबारव गर्हेर कें रेयाद वंबा श्रेया दिव तथा ह्या अर क्रिया योग दिव । विया सेवबा श्रुर व से वंबा



यश्ची । १८ तम वम में मान स्रेट नमा कि समाम में द्राय में स्रेट तम से मा दिसम प्रेट से दे से दे से दे से प्रमास दे भी प्रमाय महाप्रविव प्रविद्या में हिंदा में किया या भी के प्रमाय किया में किया मे स्वान्त्रकात्वर विश्व स्वान्त्रकार होते। विश्व स्वान्त्रकार विश्व स्वान्त्रकार विश्व स्वान्त्रकार विश्व स्वान् स्वान्त्रकार प्रतिस्व स्वान्त्रकार स दर्हेंदा हें के कुद क्रुं मालते केंद्र या विद्या में के या क्रुं या मेंद्र य इंशक्ष ग्रेक्ष सव प्रमुक्ष या विवाद लेगा मर्वेट् पा केव प्रमाद शुरा क्षि गादे सु गुरु सा भी विवास स्वाप पर ट्रेव यव यव प्रवास में मा विद्रारव गलव के या प्रवास हो । विदाय मह में के यम के मा विद्राय मह में मा विद्राय म वयर् वर्षा सर्य पर्य करें दे विराधका रेट में रियं रहें। विराधका स्वार्थ हैं रियं प्रकार हैं। त्र ह्या त्र क्रेम् विकार मन् स्या परे दिया । देश पर पर्टे दि पर्टे में में में पर पर्टी । में मिन यान्यामुक्ते प्रदेश न्या । य्वेया सेन मुक्त न्या मूर्स प्रमूर्य । स्यो प्रे प्रदान स्वा सहया संदे मुन् क्रिंव यं भेव यं शुं लेग होता हिंव ये त्र्रिं यदे स्म भे होता हिं त्र्रिं य ये त्रुं न यम तर्हिम या श्वाया त्या राष्ट्री । वि यस त्र्या यस या त्रुंसा । वित्य सेया यसेया स्वि सेया सेया स्वि केया यक्षेत्र। विश्व व हर्व क्याबा वर्श्वर विद्या । वर्देर प्रबाद क्याबा पर ग्रेना विविध्या वर्षर हर्गा हु खुव खुद वा हि



र्ट्यव क्रिका पर द्युर प्राधेवा वव पर् क्षु पर् मेवा है। रि. द्या प्राधा यह क्षेत्र प्राप्त । क्षिव पर श्रीत्र पार्करा । त्राचार प्रत्य क्षा प्रत्य क्षा प्रत्य क्षा । विद्य क्षा प्रत्य क्षा विद्य विद्य विद्य विद् या से स्वास्त्र मञ्जा परि मार्चे मार्च मार्चे । विश्वेर ग्री क्षा प्रवेर पर्दर है। श्लिय या प्रिकेर पर्देश प्रिकेर प्रवेश प्रिकेर प्रवेश प्रिकेर पर्देश प्रिकेर प्रवेश प्रवे वस यहात वहात मुद्दा वित या हैं दिन मा जा वहें ह्या विकेता या है। क्षेत्र महिला मुद्दा विमा विवस वश्चरायां श्रे श्वेरारी हिना हु वर्षेरायां यूर्डे वायते श्वेशी । शहरायां यहवाये वरा खेरा वर्षेरा वर्षेरा है। विस्था ह्मा हु पर्डे बा सुराव विमा ता बेरामा थे तिसुरा रथा विद्या में बा प्रश्रुवा पर देश सुवा पर हो । र्ह्मेयं ग्रेंग्रां ग्रें क्रेंन पहें न पा पिह्न ने पहने प्राप्त प्राप्त हैंन से ने प्यतिन न स्गाप्त पर पहेंग्राप हो। । भारा पहेर् चा अप्येष या । यावन की दुर र असा पहेर या । परेवा वस देव हे पह दूर पर दुरा विष्याप्रभाष्यभाषे त्याप्रमार्थेव है। विष्टरदवर्षे रायाम् स्थायहै साय विस्ताय वे शुर्णेव या परियो रासे हैं वा किव. त्र. में अश्व. ज. चे बेचा. बूबा. वेबा । वायव. बीबा प्रमा तम. वेबा पा शटा । वार्वेट. पंदा शक्वे. शा विम् द्विव प्रदे । । न्या वें ने न्या गर्बें अ प्रमू श्वा । यव प्रते प्रतें या है । प्रया वें ने न्या वें ने न्या है क्षेत्र. मार्ख्या । मि. मालव. यात्रवा व. पर्कू. मिर. मी । विश्वापित क्रिमा मा पर्वेता ता मेर लिया प्रया ता में स्वत स्यात प्रहूच व्यात्वा । स्वात्य प्राव्या स्वात्वा प्राव्या । स्वाप्ता स्वात्वा स्वात्वा स्वात्वा स्वात्वा प्राव्या प्राव्या स्वात्वा प्राव्या स्वात्वा स्वात्व स्वात्वा स्वात्व र्द्धराया वहीं व वया है। दिव प्रशामानव देव श्रुपार्च निया । श्रुपाय निया व साव श्रेमा या श्रुपा । मानव



र्विया विम्नायः प्रमान्यः प्रमान्यः प्रमान्यः विमान्यः प्रमान्यः क्षेत्रः विद्या विद्यान्यः विभ्नाः विद्यान्यः विभ्नाः विद्याः विद्यान्यः विद्यान्य

क्षेत्र दर दें लेखा । है दर देवर के ग्री देव ग्रीव तसीया । अदर दर आवका प्रकार बर के सुर वा । यह यां मिट्ट. तर सूमे. त. लुडी मिज तू. पूर्वे मुझ म. युर्ड में वी विश्व २८. चुन्ना तरट प्रारीर भू. एकीरी श्चिम् में नियम् में स्वायन्त्री । से में या बार्ष विमायित्। । सम्में में स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप कुर मैं श ग्राम देव केव द्याम हु । अँग क्या श में या अदे के या श तर्श प्रशा । बोम में दे सु यु म्यून देश ग्रेममा विमा पड़ना हुँ या पा रूप पर भी मिही हूँ पना केने लट् मेर प्रा पश्चर । स्मेर स् नेन हैं क्रियम् युव्यापरा । त्राराहे स्टरह्मा यव प्रविव यविषा । पर मुया हैया प्रकेर प्रक्री प्रविव विव विव से य्या चित्र चित्र मित्र म मुल वु भे नर्गे भी दिन प्रम दे मुल वुंब है यन्। दिन केन केंग मैं म में में भे ने निम प्रकेट वु ट्रेचेश ततु. क्षेत्रा तकीर क्षेत्रा कि लुश लूटश शे. चंट चतु. क्ष्रा विच क्षेत्रश्चा चलु. वेट तचीच श्चिश्चा विक स्था ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा विक स्था ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा विक स्था ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा विक स्था ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा विक स्था ततु. क्षेत्रा तत्त्रा क्षेत्रा ततु. क्षेत्रा तत्त्र क्षेत्रा तत्त्र क्षेत्र क



| भिंत हुन गुन खन दुर्गेव या क्षेत्र । भिंत हुन के आदा के प्याप्त हुने वि । क्कें व दूर भेता व यश | वित्रान्त्र मर्डें के अवश्यक यहेता | दूर में हित्त क्षात्म में दूर में हित्त में हित्त में हित्त में हित सिन्धा स्थान स्थान से क्षेत्र के से क्षेत्र विका ते प्राप्त के स्थान स् योश श्रुप्त महिन स्वर्थ स्थान त्रम्भ संस्थान्य व्यवस्थात्य वितादार्थ स्टा केट्र तकवा यम त्युम किमार्ट कुर्वे क्रिसे केट्र त्येय। हिं इस्मेर्या या स्थापका त्या वितादार स्टा केट्र तकवा यम त्युम किमार्ट कुर्वे क्रिसे केट्र येवा। हिं स्थित मुर्वे र केव र में व व र वे व र के। कि उट विस्राय के द्या या व। ट्रि केट युवें व प्रे कुर खुरा विहेगा हेव. हूर् तास्त्रा क्रेर. व्री विव्याता क्रेर. जना वर्वरा वामरा विव हि. हरा पाकव दा लेटा विवासर सहयायही मुं श्रेन दे। वित्यायहायही सबदायया केरा वित्याय सुराया समाय स्थित स्थित है उव ग्री वें र इसमार दें। सिंग देंग उव ग्री ग्री गूम दें पर । के प्रव ग्री वे रेग प्र इसमा सिंद ग्री र ज्यार न यायभ्रेत्या विभाषाक्याबाउवावे विभाषा प्राची विभाषा द्रः सूर्वे त्र सूर्य विष्ठा ययदारेन विद्याली । श्रुप्ते सार देश मार्य देश मार्थ है। अश्रुप्ते के सार श्रुद्य प्रदेश में देश के श्रुप्ते साम निवास कूट त. टटा शिवका तर बर क्या था ते विशेषा चार क्या विशेषा चार क्या विशेषा चार क्या विशेषा चार विशेष र्श्वेदःयः दया । अपिकायमः शुरावकार्यायादया । क्रिक्ययेषाद्यवायायेषाकाः श्वेदःया । वार्ष्यायायाववाः



यर् रदाया वर्षित वर्षा स्वा विश्व वर्षा स्वा वर्षा वरवर्षा वर्षा व प्रते नुगम गुम देव प्रमुव या । भिर्म अदे देंद्र प्रवेव गाव पर्में । विवय विद्र से अं या प्रमें या कें मा द्रां तह वा हे ते तह वा होता । वाह हिंदा वाह ता हे खेडा हो। विश्व के हो खेडा हो खेडा वाह वाह विद्रां के वाह के हो । विद्रां के वाह के वाह के हो । विद्रां के वाह क या यहीया हेव यही वं हर्गाव। विषय विश्व द्राया विश्व विषय विश्व विष त. में बाका पार्क का तर प्रक्रिया विषय से साम का बाका से से बाका राजा की विहें र स्था कर की विशेषा ता साम का बाका का की बाका का की विहें र स्था कर स्था की विहें र स्था की विहें र स्था कर स्था की विहें र स्था इसम् । दर्शनायदे के व क्षुं यं सदा दिं क्व वें र ग्रीमार वें र वें मान के लिया है कि या के वें र या स्थान के व ब्रैंव से न्या । से ले या या वा बरा न्या । ब्रिव या स्था वा क्षेत्र के न्यों । या न्या ने क्षेत्र या ने या न मुक्तात्रा भिर्मित्र्युं दर्मा मुक्ता प्रमाणिक प शुं वर्ष्या विष्युम् स्मृत्या विद्यास्य विर्मे या वर्षे यूया श्रेन या द्या विरान्य देर् बेर वेर वे हें र्क्षिय या वर सेर रेग्य गडेगा गूर । अर्केगा रूर रस्य पदे विर् यर खेर |पर्केर्-वस्त्रात्वेर्-प्रेते क्षेत्रां क्ष्यां क्षा । विस्तर क्षा स्त्रा क्षा प्रवेत प्रमान । विकास क्षेत्र क्षेत्र र्शुरः । १९४१ सुर प्रश्ने १ प्रेने प्रेन श्रुण पश्चर प्रश्ना या विषय । १९३० प्रश्ने प्रश्ने प्रति । प्रश्ने प् क्रुं शु तका शुका होता द्वा क्रिं प्राप्त स्था श्रिक्ष प्राप्त प्रम्य श्रिक्ष ग्रेंग पर पर्दि इस्म ग्रेंश विषेया व ग्रिट या यं श्रुंट यदी सकेंग । कु केव हिट र् क्ष्म श पर्दि व



वित्रीत् या मालमा या हित्यो मार्थेश । योगश्चायर वित्ताय रेत्या रेत्ये से हेरे माहेर यश्चार माल्य श्री र्स्या वहमाया हो स्वाप्त होत्या प्रस्था । योगश्चायर वित्ताय रेत्या रेत्या से हेरे साहेर यश्चार माल्य श्री रहेया

वन मुण्मा द्रामु या के पा दर्शा दि गूर शुवा खेन पा कुन्न मिल मिल पें के न्या विन से हिंद या । मार्श्या सं र्ख्या श्रेव ख्मारा यो वी । श्रे श्रेमारा च पार्टिं स्वारा द्वा । सिर द्रा वित्र हिंदारा स्वा र्हेत्। वित्येत्रः भेत्रः हूर्वः दवः त्रः अर्द्या विश्वेषः श्रुतः त्रुत्वा प्रते हु। वित्रः सेत् ः वश्वेषः सर्वेषाः सर्वेतः प्रतेतः वित्रः सेत् । वश्वेषः सेत्रः स्वरः वित्रः सेत् । वश्वेषः सेत्रः स्वरः प्रतेतः । वश्वेषः सेत्रः सेत् । वश्वेषः सेत्रः स्वरः प्रतेतः । वश्वेषः सेत्रः सेत् । वश्वेषः सेत्रः सेत्रः सेत् । वश्वेषः सेत्रः सेत यद्भा विषय प्रचर स्ट्रिंट प्रवेत स्था दर्श के द्वा के का मान्य के या भर्। बिर में सुभ ग्री रित्र भेर पा बिर प्रमाणना बिर प्रमाणना विर प् विष्यः श्रुंद्रः विषयः विषयः श्रुं विषयः र्म्गाः तम्यां वित्रेति कुः । क्रिंग्यम् यदि स्वरायनि विश्वाया वित्र प्रवर्षे व्यवस्था वित्र प्रवर्षे वित्र प्रवर्णे वित्र प्रवर्षे वित्र प्रवर्य वित्र वित् य्यर्भ यं रे हैं विमा यं वि विश्व स्था हैं देर या या हैं वी विश्व यर शुरे या यह में यह है। विश्व या दहेग्रा नूर के मेर नूर्वित्र प्रमुक्त वितर्भे मेर्ने प्रमुक्त के मार्थित प्रमुक्त प् ल्व. वेव. शुर्शेय.वा शि. दे. बार्ट्य श्रीमायविता तत्मा वितालमा श्रीमायवर यालवा वितालम्य र्श्वेर् वर्षेत्र प्रवेत र्। व्रित्र द्रां क्षेत्र पर भेर् वेत्र वा भिर्दे वर्ष क्षेत्र प्रवेत्र विश्व प्रवेत् सूर्य संभा लुया । क्रूबा संग्राबा निवा ग्रार सा श्रीया या। वि. ला. क्रुबा ग्रीबा है। विगा छ। विगा हिंगा स्वा सुंभा क्षिम् अ व प्यद्रा विचित्र म्बर प्रमेर य म य श्री प्रियं ग्री अ अवर यरि बेंग्रें उने यो विद्रा हें द लॅं न यह क्रिंद्रिय के विश्वेष विश्वेष यह विश्वेष के विश्वेष यह विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष विश्वेष शे. ख्या. जुया । जिया. श्या. पद्याय प्रत्या प्रक्या या या । स. श्री अ. अयू. प्रा. प्राया अ. खुआ हुआ । पद्या प्र प्यापा। र्या. लु. स्या. प्राया प्रया प्राया हुया. प्राया प्रया प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्रया प्राया । प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राया प्राया प्राया । प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प्राय प्राय प्राया प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्र



यवायः ला. ह्रमः विश्वावश्वा । वाबवः याः क्षेत्राः ग्रीकाः ह्रमः श्रीः व्या । विश्वाः व्यवः लवः यो वर्षमः यद्याः इसश्वा । वाः यक्षत्र प्रदेश प्रत्य विश्व वि या यक्ष्या या लुक्षा । व्या यावरा कुटा बुका मी अक्षा यक्ष्या । विषा कुटा व्यक्षा था विषा कुटा व्यक्षा था विषा विषा कुटा कुटा विषा कुटा व युट सेट् मेस नसर् । १५ उट नेस रव के दमस परि । वु व सट व व व म के र व स्म । कुंया दें दव कु कुर्यायाल्या विकास्त्रेरे क्राया त्रिया त्रिया त्रिया प्राया । क्षेत्र त्राया या विकास त्राया विकास विकास विकास गर्ने न सामित्र विवासवाके राष्ट्रमा दें। वा विद्युरामी बुरादी प्राचे पा की कि उरा सरी सवाके निवास व। श्वितः प्रते क्षे मेन ग्रेन प्राधित। मिख्या न प्राधित प्राधित क्षेत्र के। । सञ्च स्या उन या ग्रुन प्राधित स र्या गीर्यो । यर्यो छेट ऱ्या तंतु श्री र तश्री । यश्र्र व्यासा तश्री या छे ये छेट ग्या । यश्र्र व्यासा ये व्यासा विकास विकास । यश्री विकास विकास । यश्री विक बस्राबेशायर सुरवेषाः व। । द्वेषाः यार्दे मान्याया । यदे द्वेषाः मान्याया । यदे द्वेषाः मान्याया । यद्वेषाः या



यम्। विविद्या विक्रा श्री स्वार्थिय विक्रा स्वार्थिय स्वर्थिय स्वार्थिय स्व

र्द्ध्यान् धुन् या है। रवा हु। चुन्यायत्व यद्या 👤 📗

मुं स्व नु पर्यं पर्यं वर्ष मुंद्र हैं में भ ग्रीश पृश्चित पर नु । तिर्युप पर ग्री र ते हैं श्री । अ ग्रीयावा तारा मह्मा पार्या भी । अभाया द्वा मुखा या श्री स्वीया या या विभाया उरा भरी। या स्वा ग्रीया ग्रीया विभावा रिया होता विकास के वि सर री प्रमा त्र है। हि सर वें प्रमा वें प्रमा वें पर प्रमा हिन पा प्रमा हिन पा प्रमा हिन है। हि सर वें प्रमा हिन प्रमा हिन प्रमा हिन प्रमा हिन प्रमा हिन है। रि.ल.च.च.च व्याप्त विश्व श्रिं श्रिं श्रिं विश्व श्रिं विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व श्चि वें नुस्त प्रदर सर्हेग हु राष्ट्र । श्चिम नेश नग गैस ने कें या । प्रश्निस न रहें ने पा नेश पर वश्या विस्रक्षं क्षेत्रम् सुद्र पदे क्षे प्रका ग्रदा किव दे मुन्त प्रविव प्रविव । सुरु पे विग्रम् पा वस क्टूर्यार । अर्क्कें दर एड्रेश्वर श्रेम्या संतुषा । रराया र्ह्ने श्रेष्या स्वाव विक्रा स्वित्या येषा सर वरी विमायमान्यार्वे से में न्या विस्तित संविद्य विमायमा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या द्वित्रकार्टा स्वाव वूर्णिया शुर्वेषुरा रि्गु केवा समाया मुवित् सेरा भी दिश्व मुवादा सुवादा राष्ट्रमा व्यक्त स्थान महिना हिना हिन्ने के स्थान स् सगु प्रका प्रश्रुद्रा । किंतु दे मुस्र शीका है दे से द्रा । प्रदे द्रा वादे द्रा वादे द्रा वादे द्रा वादे द्रा यदे ये यव श्रीका विदेत क्रियाका यद गर वक्ष रहेका श्रीयाका । विस्रक्ष क्रिया गर केव दे दिया । वि



क्रिया में त्र्या प्रयम्भा ता भी मोर्च प्रमा । भी मान्या प्रिया मान्या में प्रमान प्रमा । में मान्या में प्रमान में प्रमान प्रमा । में मान्या में माया में मान्या में मान्या मे पश्चिमा चर्छ में । मिट हीं ट्रियंट सका की चर्मा में चर्मा में स्वाक्ष्म निर्मा में स्वाक्ष्म में स्वाक्ष्म में स्वाक्ष्म में स्वाक्ष में स्वाकष्ण में स्वाकष् वक्रियं चंद्रः है। । यदः हैंद्रः वचरः चर्त्रः व । विष्यः क्षेत्रः वार्ष्यः चरः चर्ष्रवः प्रथा । हिद्रः हैं य गर्भे वित्वा अगुले दुः वगाय वे क्रे तर्देग्या वियाय अर्देत् सुरा अर्घेट व पटा विवयं से पिवाय ब्रांभा होता है। विश्वास्त्र अर्थे देश पार्चार्ये विषय होता है। विश्वास्त्र होता है। विश्वास्त्र होता हो। विश्वास्त्र होता हो। विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता हो। विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता हो। विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास्त्र होता विश्वास हो। विश्वास होता हो। विश्वास होता हो। विश्वास हो। विश्वास होता हो। विश्वास हो। वि अभया में गो हिरा । यर लर प्रमुर विभव्न रखेया पर एकुरा । भा प्रमुव रखें या विभ्या में समा प्रमुर। । इन हैं न विं वर्ष मेर्या यम है। निर्माणी स्थाय सव वर्षे न सेयथा । मिनम नधन है वर स्यय वेश प्रिंत में कुवे में में महर रमा। मिनेश में में ये ये यो स्त्री वि या वेश ग्रेट में हिंस विग्रं त्र प्राप्त का प्रकृत के प्राप्त के किया किया के किया के किया के किया के किया वय्त्रस्य प्राप्त । विष्ट्रस्य क्षुं गर्वा स्वर्धि । विष्ट्रस्य प्राप्त विष्ट्रस्य प्राप्त । विष्ट्रस्य । व



लुका । श्रुं या अर हूर श्रुं राज हूं का विद्या या वा विहेव वा अपहेव या । ते प्रत्येष वा का विद्या के विद्य के विद्या विभागित्रः मालदः स्वा । मालवा क्री मालदः मालवा मालवा क्री मालवा विभागित्र वि वस्य भे श्रु प्रते भ्रिया मावन श्रुका प्रमुक्त प्रते । एवं नुम् नुक्त स्याप्य प्रते हें। यूक्त प्रवाह पर्वे अंक हे याव त्याव श्री विया या प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रेन प्रिन प्रेन प धेव या हे श्रं शुरू देयेग । में प्यटा क्रिके दे श्रे पर्दे रावा । श्रे दे मदिव श्रे श्रायह या धेवा । दि द्रा महिव या श्रे उहिंगा वा । श्रे. लेव. श्रेंश. ट्र. श्र. श्रेंशश. विग् । विट. बट. प्रश्ना पा लूट. इश्वा. ग्रेंशा । श्रेंव. ट्र. पर्याश ता यद् रहा विद्वा वार्षा निर्वा प्राप्ता वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा विद्वा विद्वा वार्षा विद्वा विद्या विद्वा विद्वा विद्वा विद्वा विद्वा विद्वा विद्व विद्वा विद्या यश्चरः। शि.पश्चेवःयः ल. उर्वेकः य. २८। १२८:वशः वर्त्वामश्चः ग्रदः श्चेत्रश्चः यते। १६मः हः वर्गाकः यदेः श्चः यबर्णर्। पूर्वेव्यापर्वेवेशमवर्षे श्रुः मुक्तिर्वयर् विरावित्राया । विवेव्याय दुर्बर विवाव यभुत्। भ्रुयाग्रीका भेव परिसार्गावी। गिर्डेन्सातुका वार्षेगान्य विवासी गिया हे केवारी भेवा गुरात्री सिवं केंग्रामा नवन या होरा हुए। सिया योवर द्वार दु यद या है। दिवेगा या होरा हूं वेद दु या है। विष्यं ये विषयं के के कि त्या के विषयं के कि विषयं कि विषयं के कि विषयं कि विषयं के कि विषयं के कि विषयं के कि विषयं कि विष रित्रिक्ष्मित्रम्या मुरायर्षेदावी । सिन् स्यार्क्षेत्रम्या परि रे पार्वेदस्य । वि पार्वेद्वा प्रमुपान्य । क्रिंव दर खेंव निव मिलेश मिलेश कें अश्वा मिलेश मा अल्या पट श्वर द्वीं का वा लिश या निव के के क्रें का है।



भगतुर प्रबद्ध ते भ्रे मर्भेद द्या । मतुर प्रबद्ध है से विया भेद ता । द्या में या भर भेद हें तुराह या पात्रा विभारते मुँबानगा छेन यात्रा विहर पार गास्या रु मुँबा भे छ। विशाय के सुरा यदे मुँबा रवे व। विग्यारम् वार्याः वार्यारम् वर्षाः विवास्य म्यारम् वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः व देशें या वा प्राण्य स्वर्भें में या देर्देर रखा है। रदा मालवा माहिका मा देखेला देश र यदी पूर्णें वा क्वा के बा व अपन्य परि हेगुन्य। देगा पारमार लेगा अद्रेर भागव क्षेत्र। विन्य पा के दु व के रवाद रहेग । त्र के दु ड्रेंबा ग्रीटा सर्हें। वर्ट्ने दे विष्वित वा खेंहा पर प्रायत लेगा श्रेंबा विदाय है। दें या है दे या इसका विहेंहा दुरें हो। व्यट्सी दिसी विश्व दें प्रति विश्व वर्षिय वर्ष्य वर्षिय वर्षेय वर्षिय वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्येय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्षेय वर्येय वर य्र वर्देन य इस्त्री । सर्देव के वयन वस्त्रीय वा केंस्री । मार्थ उत्र केंगा वा देने वह गे यस। । इन यं अ हे या यह मा हु पुर हिमा विश्व अ हे अ मिं के दिर हैं हो भी विषय यह हैं देश के के लिया प्रवी विषय क्रूंब की लूबी क्रूटब लुवा विवस तब हेगे हैं र ब जिल्ला विवेष हैं ब कुव हैं व जुव हैं व जिल्ला वितुषा वा भी सव सद्या दिया यर मार्वेद सेम सदिवा नदी श्रुवा किया द्व नहेंद यम वहिया हेतू है। पर्देन पत्त्वा ना भी श्री के प्राप्त के प्र सर बूर दियलग शुरान । बूर या दी प्रवास से सुग्राम समा । प्रवास समाया प्रदेश दिया दी । प्रवास दे



योष्ट्रेर.जब्रं चित्रं यद्देश, यद्देश



मूर्तेट प्रेरे धुम् प्रेम । मट प्रम्म बुर्गमिन बुर्गमिन मा विष्म मुन्म विष्म हेन् मानम बुर्मिन हेन्। | श्रेन पर्दे मिया पेर शुराया इसका | श्रिंग निराय श्रेंका वका वेर सिराय होता () किया विकासवा श्रीका वेर होने गुँ अयव र प्रभू र है। । गुँ अ प्रभू द अ यो स् भू व र ह लवा । गूर हिंग अ द में प्रदेश यह या । । द कें द्यो य ग्विव क्रिक्ष स्ट्रा | दिव क्रिंट ग्रास्त्र वर्ष क्रिक्ष वर्षे । । व्या वर्ष प्रकार वर्ष प्रकार वर्ष । ख्रेम्बा मार्थित प्राप्त प्र प्राप्त [मुह्मानश्चिमानमा मेर् मुद्गान दिवाय । अविकाय स्थाय मेरिया मुद्गा स्थि । विकाय मेरिया स्थि । क्षेंग्रायम्। विन्गु में भेंद्र या से वर्षेद्र स्वा दि भेरा स्टा यहिंद्र यहिंस्य प्रति हिंद्र हिंद्र स्वा देगा व्रेन् यर बन्। । गर्वेन् यर व्र क्षेर न्या वहें अस्त्र । व्रिन् ग्रेस व्रिन क्षेस्र स्ट्रिस स्ट्रिस वर्षेर वर्षे गुन्न मु । यद्न्य या महिन्य अवदायश्रा यद्भा । प्रम्य गुन्न देम् यह्न्य यद्भा । यश्र विष्य । यह्न्य विषय । यह्न सुमार्श्वेदायाया विभाव रदायास्यापरायार्वेदाः । द्रमायाने पर्यत्याया विषया विषया विश्वापायार्येदा । हिंदा त्यानिहेना यश श्रुशाया थी। इस्त्रां शास्त्र में शास्त्रीं ने शास्त्र प्रति । दि प्रतित स्व स्व स्व स्व स्व स्व चैं येश गुरेश के किंग तम्यो किंत कर या अवेंट तमेया प्रमात्वयका । हो तका क्ष्र प्राप्त पात्र त्र्री यदी । भ्रे ने यन् मुन्द केर द्वेय व । भ्रे व क्ष क्ष इव केव में वेन । यद देव वयन प्रकाय क्षेत्र वर्षेत्र वा नि.लंबा-दर्जुर क्रा त्रिक्षेट त्यती वक्ष यत्वा वाया हे आहे यह वाक्षेट त्य क्षेत्र व्यव विश्व क्षेत्र वित्र वित |a'चर'र्व'पंदे'तुश'प'भेर्। हिंर्'ग्रीशचु'च'बेव'व्य'वेश। विके'चर्गार्श्वर'पर से'देशुरं ग्रीश। दिशं



य्र व निर्मेश स्नि व वी नि रेट हेर द पहुंच ल मुंशा निर्मा में व प्राया में व प्राया में व प्राया कि लेगा रे रेट बिंद्र पत्राम लेमा मिक मेम प्रहर्भ पर्देश हैं गुर्सेय पहरा ग्रुटा पिक पर्दा पर्देश सु ग य उटा पिद्र वह सिर्श्याता वरे वा है। शिव व व व द र्त्य स्थान द वर्त्य माना विषा है या वाह्य व रिवा है या वाह्य व रिवा है या वाह्य व प्त्रुक्ष पहेंद्र पहेंद्र पर है। विस्वाद हुस पर गणेट्का पाया दिस हैं का पश्चित पर गो दिस हैं वि. यर वि. यर विवस या यो । अंशका वे. यक्ष रेट विव. हि. हो। दिश्रवाका या गीव. या रूप श्रवका विटा प्रदेश स्त्रीय का स्त्रीय का विश्व का स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध सक्ता विश्वेस्त्रस्तु र्वेस्तर्या से दर्गेस् लेस् । त्तुन ये त्तुं कुर देश्चा विस्तर्य से प्रमान स्त्री । द्यर् गुर तुर दर्शेद श्रुव धवर भेता श्रु रव्या वश्रु व सेर व रवे । वस्र उर सविव परि विर क्रिंबा लेवा । या पश्चित्र वा या या गुर्वे या छेवे हैं। । यो वा कु यह बा वा या परिवा । विश्वाया से पारे पार्श्व या यो दे। ।रे विग् ग्रुट ग्रुट सुर दु दहेग ।ग्रेकेर पहले विग्राम प्रम् प्रमा प्रमा । श्रे प्र प्रमा विग्र पर वर्ष्य । विश्व रवः ग्रेश वे गहिरः वहग्रायवा विश्व मुर्हेरः व र्श्वेम यः भवा विश्व ग्रे दे सावग्रायायः स्रेम्। प्रिक्षेत्रवाण्यम् मेर्जियाः विवालिया वि वर्ष्यः भे मी विवयः अर्केग द्या ग्रेयः संवश्चिवयः पदी विदेव परः अर्वेदः षदः द्याः वर्षेयः पदी । देयः व केंग्र इसका येग्र में मूका है। हिंद दे यहिंव या बेस्या प्रविग व। विकाय प्रमा कग्र प्र प्रकार प्र मिट्योश्रास्त्रार्या हेर्ग्या तूर्वता स्वापिता ही सिंश के स्वापित है । विस्वाप है से विस्वाप से सिंह है से विस गुना विन्दुः पर्ने वर्षर में प्विन्दु। दिर्देन न्यू मुश्री येन ना प्रमृन पर्देश विश् गुर्द वेगा है। र्दित्यः नृष्यिः प्रदे प्रमुद्धः पर्देशः सुर्यस्। । दिः सः रे रे क्षेषाः रे ब्रह्मः । विष्णाः सूष्र- नृत् हे ब्रह्मः से स्



दश्चर । श्वार केव निष्ण र्रें । विर क्व क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र वर्ष । विन्न क्षेत्र वर्ष केव विन्न वर्ष केव व हेव वस्त्र क्ष्य निष्ण केव स्त्र क्षेत्र क्

म्वास्त्रा । ।

प्रमुक्त विकास स्वास्त्र स्वा